

पाठ का नाम	पानी की कहानी
कक्षा	आठ
गतिविधि का नाम	भीति-चित्र
स्तर	सामूहिक
कौशल	लेखन
समय	30-35 मिनट
समूह में विद्यार्थियों की संख्या	4 विद्यार्थी
सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और आवश्यकतानुसार सामग्री ।

1 उद्देश्य

- भीति-चित्र निर्माण कला से अवगत हो सकेंगे ।
- जहाँ एक ओर सामूहिक कार्य करते हुए उनमें एकजुटता की भावना का विकास होगा वहीं दूसरी ओर वे कम समय में एक बड़े कार्य को करने की कला को भी जान सकेंगे ।

2 अध्यापिका गतिविधि ; अध्यापिका क्रियाविधि के निर्देश :-

- कक्षा की सभी विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- सभी समूहों को भीति-चित्र से जुड़ा कार्य क्रमानुसार देंगी जैसे पाठ का सारांश लिखना ,जल-चक्र का चित्र बनाना, 'जल ही जीवन है'- विषय पर अनुच्छेद लिखना , 'जल-बचाओ' विषय पर नारा लेखन , 'जल है तो कल है' पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण करवाना , पानी से संबंधित मुहावरों का संकलन तैयार करना , जल को बचाने के उपाय लिखना , पानी से संबंधित चार नारों का संकलन करना , भीति-चित्र की पृष्ठभूमि, उसके किनारों की सुसज्जा के लिए सामग्री का प्रबंध एवं अन्य सभी छात्राओं द्वारा तैयार किए गए कार्य को सुसज्जित ढंग से प्रस्तुत करेगा ।
- अंत में निर्धारित समय के अंतर्गत प्रत्येक कार्य को अंतिम रूप देते हुए उसे भीति-चित्र के रूप में प्रस्तुत कराना होगा ।

3 शिक्षार्थी गतिविधि :-

- कक्षा के सभी विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- सभी समूहों को भीति-चित्र से जुड़ा एक-एक कार्य दिया जाएगा ।
जैसे = 1) पहला समूह पाठ का सारांश लिखेगा ।
2) दूसरा समूह जल-चक्र का चित्र बनाएगा ।
3) तीसरा समूह 'जल ही जीवन है'- विषय पर अनुच्छेद लिखेगा ।
4) चौथा समूह 'जल-बचाओ' विषय पर नारा लेखन करेगा ।
5) पाँचवाँ समूह 'जल है तो कल है' पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण करेगा ।
6) छठा समूह पानी से संबंधित मुहावरों का संकलन तैयार करेगा ।
7) सातवाँ समूह जल को बचाने के उपाय लिखेगा ।
8) आठवाँ समूह पानी से संबंधित चार नारों का संकलन करेगा ।

9) नवाँ समूह भीति-चित्र की पृष्ठभूमि, उसके किनारों की सुसज्जा के लिए सामग्री का प्रबंध एवं अन्य सभी विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए कार्य को सुसज्जित ढंग से प्रस्तुत करेगा ।

- अंत में निर्धारित समय के अंतर्गत अपने-अपने कार्य को अंतिम रूप देते हुए उसे भीति-चित्र के रूप में प्रस्तुत करना होगा ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1